स्वतंत्रता दिवस या स्वा-तंत्रता दिवस

स्वतंत्रता दिवस की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ।

आज के दिन मैं अपने आप से एक सवाल पूछती हूँ -
स्वतंत्र होने का अर्थ क्या है?

मेरे अनुसार स्वतंत्रता वह है जहाँ हम **बिना डर के जी पाएं।**
तो क्या सच में हम बिना डर के जी रहे हैं?

जिन्हें जाना था, वे तो चले गए, लेकिन उन्होंने हमें स्वतंत्रता का सही अर्थ सिखा दिया।
लेकिन क्या हमने अपनी गलती से सीखा?
या फिर किसी और की सोच के गुलाम हो गए?

स्वतंत्रता का महत्व तो हमने सीख लिया,
लेकिन फिर कभी स्वतंत्र होकर न जी पाए।
क्यों?
क्योंकि हम इस डर में जीते रहे कि यह क्या कहेगी या वह क्या कहेगा।
हमारी सीमाएँ, जिन्हें हमें खुद बनाना था, उन्हें किसी और ने बना दिया।
और लकीर खींच-खींच कर हमारे अंदर के ही कई हिस्सों की बेड़ियों में हमें बाँध दिया।

देश तो स्वतंत्र हो गया
और प्रगति की ओर भी बढ़ा,
लेकिन दूसरों की तय की हुई सीमाओं ने हमें **अपनी ही सोच का गुलाम** बना दिया।
कभी इसका डर, तो कभी उस का डर।

जिन्हें जाना था, वे तो चले गए,
लेकिन डर के बावजूद स्वतंत्र होकर इंसान को कैसे जीना होता है, यह भी सिखा कर गए।

और यह किसकी गलती है?
हमारी खुद की सोच की।
लेकिन हम हर किसी को दोषी ठहराते रहते हैं,
और अपने ही बनाए "स्व-तंत्रता" के झाँसे में अपने आप को अपनी सोच का गुलाम बना देते हैं।

इस स्वतंत्रता दिवस पर एक सोच -
देश तो आज़ाद हो गया,
लेकिन क्या हम सच में इन लकीरों के बीच आज़ाद हुए?

ज़रूर पूछिए अपने आप से।
शायद आप अपने मन में बनी लकीरों की इन बेड़ियों से अपने आप को आज़ाद कर पाएँ।

देश की स्वतंत्रता की तरह, चलिए अपने आप की सोच को भी स्वतंत्र करते हैं
और एक-दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते हैं।

इस सब का अर्थ समझ में नहीं आया?
अच्छा है अगर नहीं समझ में आया, तो
आपने किसी और के अर्थ को अपना अर्थ नहीं बनाया।
क्योंकि सबकी अलग सोच होती है,
और उसमें हर किसी का अपना अर्थ अलग भी होता है।
इसलिए किसी और के अर्थ को अपना मिथ बनाकर बिना आ-गे बढ़ो न ।

क्या इस एक वाक्य में किसी का नाम छिपा है?
जी हाँ, मेरे उस शुभचिंतक कि,
जो कहती है, "मैंने आपके अर्थ की चोरी की।"
लेकिन फिर भी वह चोर नहीं है।
बोलो क्यों?
क्योंकि चोर कभी भी चोरी करके यह नहीं बोलती कि मैं चोर हूँ।

मेरी नज़रों से देखें तो,
क्या दुनिया सच में धीरे-धीरे बदल रही है,
या हर चीज़ का अर्थ अलग होने के बावजूद **एक हो रही है?**

© 2025 Rekha. All rights reserved.